बी.एड. (2 साल का प्रोग्राम) सेमेस्टर-II
मुख्य पाठ्यक्रम-I
[BEDU-CC-211] सीखने के आधार

| L | टी | पीसी | |
|---|---|---|---|
| 4 | 0 | 0 | 4 |

कोर्स के उद्देश्य:

- टीचिंग-लर्निंग प्रोसेस में शामिल वेरिएबल्स को पहचानें ताकि इंस्ट्रक्शन को असरदार बनाने में उनकी भूमिका का पता लगाया जा सके।
- टीनएज के दौरान डेवलपमेंट के अलग-अलग पहलुओं को समझें ताकि अपने स्टूडेंट्स के एडजस्टमेंट की प्रॉब्लम को सॉल्व कर सकें।
- सीखने के मुख्य तरीकों को पहचानें और उन्हें इंस्ट्रक्शनल/एप्लिकेशन के तौर पर समझाएं, ताकि अपने स्टूडेंट्स की लर्निंग को आसान बनाया जा सके।
- एक व्यक्ति के तौर पर और क्लास रूम ग्रुप के सदस्य के तौर पर सीखने वाले की ज़रूरतों को समझें, ताकि अपने स्टूडेंट्स के पर्सनल और सोशल डेवलपमेंट में मदद कर सकें।
- गाइडेंस और काउंसलिंग की ज़रूरत और महत्व को समझें और इससे जुड़े तरीकों और स्ट्रेटेजी के बारे में जागरूकता पैदा करें।

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई I. अधिगम-I (12 व्याख्यान)

- शैक्षिक मनोविज्ञान: अवधारणा और दायरा।
- शिक्षक और शैक्षिक मनोविज्ञान
- सीखना: अवधारणा, प्रकृति और प्रकार
- सीखने को प्रभावित करने वाले कारक
- सीखने के सिद्धांत-थोर्नडाइक, पावलोव, स्किनर और गेस्टाल्ट सिद्धांत।

इकाई II. अधिगम-II (12 व्याख्यान)

- सीखने के उतार-चढ़ाव और रुकावटें।
- लर्निंग और ट्रेनिंग का ट्रांसफर।
- सीखने की प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका।
- ध्यान और मोटिवेशन: कॉन्सेप्ट और एजुकेशनल मतलब।

इकाई III. सीखने की मानसिक प्रक्रिया (12 व्याख्यान)

- सोचने की प्रक्रिया: कॉन्सेप्ट, प्रकार और एजुकेशनल मतलब
- मेमोरी: मतलब और प्रकार; मेमोरी को डेवलप करने के तरीके
- कल्पना-अर्थ, प्रकार और इसके शैक्षिक निहितार्थ।
- मेंटल हेल्थ और हाइजीन - अच्छे मेंटल हेल्थ पर्सनैलिटी का मतलब, परिभाषा और खासियतें।

24.04.23

जनवरी

इकाई IV बुद्धिमत्ता और रचनात्मकता (12 व्याख्यान)

- बुद्धि: अर्थ, प्रकृति एवं बुद्धि के सिद्धांत, बुद्धि का मापन।
- क्रिएटिविटी: कॉन्सेप्ट, इंटेलिजेंस के साथ संबंध, क्रिएटिविटी को बढ़ावा देने की तकनीक
- पर्सनैलिटी: मतलब, परिभाषाएँ और थ्योरी (टाइप और लक्षण), पर्सनैलिटी का असेसमेंट

इकाई V विशेष आवश्यकता वाले बच्चे (12 व्याख्यान)

- स्पेशल नीड्स वाले बच्चे: कॉन्सेप्ट और क्लासिफिकेशन।
- गिफ्टेड बच्चे: गिफ्टेड बच्चों का मतलब, खासियतें और शिक्षा।
- पिछड़ा बच्चा: पिछड़े बच्चे का मतलब, खासियतें और शिक्षा।
- प्रॉब्लम वाले बच्चे: प्रॉब्लम वाले बच्चों का मतलब, खासियतें और शिक्षा।
- नशे के आदी बच्चे।

चुनिंदा रीडिंग:


- एलन, बी. पी. (2000). पर्सनैलिटी थ्योरीज़. बोस्टन: एलिन और बेकन
- भटनागर, एस. (1980). टीचिंग लर्निंग और डेवलपमेंट के साइकोलॉजिकल फाउंडेशन. मेरठ: लॉयल बुक डिपो
- ब्लेयर, जी.एम., जोन्स, आर.एस. और सिम्पसन, आर.एच. (1975): एजुकेशनल साइकोलॉजी. न्यूयॉर्क: मैकमिलन.
- डे, सेको और क्रॉफोर्ड, एल. (1988): लर्निंग और इंस्ट्रक्शन का मनोविज्ञान। नई दिल्ली: PHI लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड।
- Gupta, S.P. (2016). *Ucchatar Shiksha Manovigyan: Siddhant evam Vyavhaar*. Allahabad: Sharda Pustak Sadan
- Singh, Arun Kumar (2014). *Shiksha Manovigyan*. New Delhi: Bharti Bhawan Publication
- स्प्रिंथल, आर. सी. और स्प्रिंथल, एन. ए. (1977): ए डेवलपमेंटल अप्रोच. न्यूयॉर्क: एडिसन वेस्ले.
- वालिया, जे.एस. (2001) फ़ाउंडेशन ऑफ़ एजुकेशनल साइकोलॉजी. जालंधर: पॉल पब्लिशर्स


एय 23
24

प्रतिबंध

# बी.एड. (2 साल का प्रोग्राम) सेमेस्टर-11

## मुख्य पाठ्यक्रम-11

## [BEDU-CC-212) जेंडर स्कूल और समाज

| | एलटीपीसी | | |
|---|---|---|---|
| 4 | 0 | 0 | 4 |

**कोर्स के उद्देश्य:**

- प्रमुख अवधारणाओं- लिंग, लिंग बिन, लिंग स्टीरियोटाइप, सशक्तिकरण, लिंग समानता, इक्विटी और न्याय, पितृसत्ता और आतंकवाद के साथ बुनियादी समझ और परिचितता विकसित करना;
- महिला अध्ययन से लिंग अध्ययन में क्रमिक बदलाव और ऐतिहासिक और समकालीन काल में लिंग और शिक्षा के संबंध में कुछ महत्वपूर्ण मील के पत्थर को समझें;
- स्कूल में जेंडर से जुड़े मुद्दों, करिकुलम, अलग-अलग सब्जेक्ट्स की टेक्स्ट सामग्री, पढ़ाने के तरीकों और लिंग, जाति, धर्म और इलाके के साथ इसके जुड़ाव के बारे में जानें; और
- समझें कि जेंडर, पावर और सेक्सुअलिटी एजुकेशन से कैसे जुड़े हैं (नीस, करिकुलम और पेडागॉजी के मामले में)।

**पाठ्यक्रम सामग्री:** (12 व्याख्यान)

इकाई 1 लिंग और लिंग

- सेक्स और लिंग की अवधारणा
- सेक्स और जेंडर से जुड़ी अलग-अलग टर्मिनोलॉजी।
- फेमिनिस्ट थ्योरीज़ का छोटा सा परिचय: रेडिकल, लिबरल, साइकोएनालिस्ट, सोशलिस्ट और मार्क्सिस्ट, इंडियन फेमिनिज़्म और वेस्टर्न फेमिनिज़्म का हिस्टोरिकल बैकग्राउंड
- इंसान और माँ बनने में असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी (ART)।
- पितृसत्ता: भारतीय समाज में अवधारणा और वर्तमान परिदृश्य।

यूनिट 11 स्कूली शिक्षा में लैंगिक असमानता (12 व्याख्यान)

- जेंडर इनइक्वालिटी का कॉन्सेप्ट।
- स्कूल की किताबों और करिकुलम में जेंडर रोल का रिप्रेजेंटेशन।
- भारतीय शिक्षा प्रणाली में लैंगिक असमानता; असमानता के कारण और उपाय।
- थर्ड जेंडर का परिचय, LGBT पर चर्चा
- ट्रांसजेंडर के मुद्दे और चिंताएं।
- स्कूल में सेक्स एजुकेशन को बढ़ावा देने का तरीका□□स्कूल ...

इकाई 111 लिंग का सामाजिक निर्माण (12 व्याख्यान)

- जेंडर पहचान बनाम सेक्सुअल ओरिएंटेशन और टेन्चर की भूमिका।
- समाजीकरण के सिद्धांत: फ्रायड, कूली और मीड।



Of के साथ, शाद्दी

- जेंडर असमानता और करिकुलम: जेंडर असमानता को खत्म करने में को-एजुकेशन की भूमिका।
- जेंडर कंस्ट्रक्शन पर मास मीडिया और सिनेमा की भूमिका।
- जीवन कौशल शिक्षा और कामुकता।

इकाई IV महिला शिक्षा और कानून (12 व्याख्यान)

- भारतीय संविधान में महिला शिक्षा के लिए संवैधानिक प्रावधान।
- स्कूल में सेक्सुअल हैरेसमेंट और अब्यूज़ से निपटने के लिए बचाव के उपाय।
- भारत सरकार के कानून और हाल की पहल: हिंदू उत्तराधिकार एक्ट 1956, महिलाओं और लड़कियों के अनैतिक व्यापार पर रोक एक्ट 1956, दहेज निषेध एक्ट 1961, मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ़ प्रेग्नेंसी एक्ट 1971, मुस्लिम महिलाओं के तलाक के अधिकार का संरक्षण एक्ट 1976, सती निषेध एक्ट 1987, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण एक्ट 2005 वगैरह।

इकाई V महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण (12 व्याख्यान)

- महिला सशक्तिकरण: अर्थ और महत्व
- शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण
- दुर्गाभाई देशमुख समिति
- महिलाओं के एम्पावरमेंट के लिए केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई अलग-अलग स्कीम।

चुनिंदा रीडिंग:


- आर्या, साधना, निवेदिता मेनन और जिनी लोकनीता (2001). नारीवादी राजनीति: संघर्ष एवं मुद्दे. दिल्ली विश्वविद्यालय: हिंदी माध्यम क्रयावन निदेशालय
- बोर्डिया, ए. (2007). जेंडर इक्विटी के लिए शिक्षा: लोक जुम्बिश का अनुभव
- चटर्जी, एस. ए. (1993). द इंडियन वीमेन इन पर्सपेक्टिव, नई दिल्ली: विकास पब्लिशिंग
- दलविंदर कुमार और अलका रानी (2016) जेंडर, स्कूल और समाज, कोलकाता, निर्मल पब्लिशिंग
- देवेंद्र, के. (1994). भारत में महिलाओं की बदलती स्थिति, नई दिल्ली: विकास पब्लिशिंग हाउस
- गुप्ता, ए. के. (1986). महिला और समाज, नई दिल्ली: स्टर्लिंग पब्लिकेशन्स
- शिक्षा मंत्रालय (1959). महिला शिक्षा की राष्ट्रीय समिति की रिपोर्ट. नई दिल्ली
- Nath, Pramanik Rathindra, (2006): Gender unequality and women"s empowerment, Abhijeet Publication, Delhi.
- ओकले, ऐन (2015) सेक्स, जेंडर और सेक्टिटी, एशगेट पब्लिशिंग लिमिटेड, इंग्लैंड। वे कोर्ट ईस्ट।

बी.एड. (2 साल का प्रोग्राम) सेमेस्टर-II
वैकल्पिक पाठ्यक्रम-I

## [BEDU-EC-211] स्कूल का शिक्षण शास्त्र विषय-I हिंदी

| एल | टी | पी | सी |
|---|---|---|---|
| 4 | 0 | 0 | 4 |

कोर्स के उद्देश्य:

- हिंदी भाषा सिखाने और सीखने में कुशलता और असर लाना।
- बहुभाषी भारतीय समाज में पहली भाषा के तौर पर हिंदी सीखने की क्रिटिकल स्टडी करना।
- भारत में हिंदी की भूमिका को समझना और मध्य प्रदेश के स्कूली पाठ्यक्रम में इसकी जगह तय करना ताकि हिंदी भाषा सीखने और समझने की क्षमता में सुधार हो सके।
- स्टूडेंट टीचर को हिंदी पढ़ाने के लिए कमिटेड, इंस्पायर और इंटरेस्टेड बनाना।
- इंटरेक्शन मोड का इस्तेमाल करके स्किल के साथ सिखाना।
- स्टूडेंट्स में सही भाषा की आदतें डालना।
- देवनागरी लिपि का सही ज्ञान और सही उच्चारण हासिल करना।
- हिंदी पढ़ाने के लिए कम लागत वाली लर्निंग मटीरियल बनाना और स्टूडेंट्स की गलतियों को ठीक करना।

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई 1 हिंदी शिक्षण का सामान्य परिचय (12 व्याख्यान)

- माध्यमिक स्तर पर हिंदी पढ़ाने के उद्देश्य विकास
- हिंदी का विकास; हिंदी की बोलियाँ और मानक हिंदी;
- भारत में मातृभाषा के रूप में हिंदी की भूमिका,
- राष्ट्रीय भाषा और संपर्क भाषा;
- सेकेंडरी लेवल पर हिंदी को फर्स्ट लैंग्वेज और सेकंड लैंग्वेज के तौर पर पढ़ाने के मकसद।

इकाई II हिंदी शिक्षण के तरीके और मॉडल (12 व्याख्यान)

- भाषा सीखने में प्राकृतिक और आध्यात्मिक शक्तियों के तरीके और तरीके
- एक्सरसाइज और ड्रिल का महत्व
- हिंदी शिक्षक के गुण और भूमिका
- भाषा के विभिन्न घटकों के बीच सापेक्ष समन्वय
- विभिन्न शिक्षण सिद्धांतों का उपयोग

- कॉन्सेप्ट अटेनमेंट मॉडल प्रोज़, पोएट्री, ग्रामर, कंपोज़िशन और दूसरे तरह के प्रोज़ जैसे कहानी, ड्रामा और लेटर राइटिंग सिखाने के तरीके

(12 व्याख्यान)

इकाई III शिक्षण और अधिगम कौशल हिंदी में

- ब्लूम की एजुकेशनल ऑब्जेक्टिव्स की टैक्सोनॉमी।
- व्यवहारिक शब्दों में निर्देशात्मक उद्देश्य लिखना
- सुनने और समझने के कौशल का विकास
- बोली जाने वाली हिंदी के प्रकार और तरीके
- तनाव और स्वर के निहितार्थ
- सुनते समय नोट्स बनाना
- रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन कम्युनिकेशन: डायलॉग में स्पोकन फॉर्म का इस्तेमाल, कहानियाँ, ज़ोर से पढ़ना, ड्रामाटाइज़ेशन और कविता पढ़ना
- तनाव और स्वर का सही उपयोग और उच्चारण को सार्थक विश्व-समूहों में विभाजन अच्छी पढ़ने की आदतें: विभिन्न उद्देश्यों जैसे अध्ययन करना, जानकारी की तलाश करना, स्कैनिंग आदि के लिए उचित गति के साथ पढ़ना;
- पूरी समझ के लिए पढ़ना; मूल्यांकन के लिए पढ़ना; रूप, शैली और लेखक के व्यक्तित्व की सराहना के लिए पढ़ना; तथ्यों, तर्क के लिए पढ़ना,
- अच्छी राइटिंग हैबिट्स: राइटिंग के एडवांस्ड मैकेनिक्स यानी स्पेलिंग, पंक्चुएशन, इंडेंटिंग, सेक्शन का टाइटल और सबटाइटल। कोटेशन को अंडरलाइन करना,
- कोष्ठक और संक्षिप्तीकरण का उपयोग
- पत्रों, आवेदनों आदि में बड़े अक्षरों और पते के सही रूप;
- किसी निबंध या किसी भी लेख में विषय और पैराग्राफ का संगठन।

(12 व्याख्यान)

इकाई IV हिंदी शिक्षण में पाठ योजना

- गद्य, कविता, व्याकरण और रचना के लिए पाठ योजना का प्रारूप
- दृश्य-श्रव्य सामग्री: अर्थ, वर्गीकरण, महत्व और हिंदी शिक्षण में उपयोग।

(12 व्याख्यान)

हिंदी शिक्षण में इकाई V का मूल्यांकन

- मापन, आकलन और मूल्यांकन के बीच अंतर,
- अच्छे मापन के लक्षण, नैदानिक परीक्षण और उपचारात्मक शिक्षण, मानदंड संदर्भित परीक्षण और मानदंड संदर्भित परीक्षण,
- अलग-अलग तरह के आइटम, मल्टीपल डिस्क्रिमिनेंट टाइप आइटम, अचीवमेंट टेस्ट को स्टैंडर्ड बनाना, हिंदी में अलग-अलग तरह के सवाल बनाना।

असाइनमेंट: (नीचे दिए गए में से कोई दो)

1. सिलेबस को यूनिट्स में बांटना और उन्हें सही क्रम में लगाना।
2. कक्षा IX, X, XI या XII के लिए निर्धारित किसी एक हिंदी पाठ्यपुस्तक का आलोचनात्मक अध्ययन।
3. हिंदी सिखाने के लिए लैंग्वेज किट तैयार करना।
4. ऑल इंडिया रेडियो ब्रॉडकास्ट के लिए लेसन प्लान तैयार करना।
5. प्रश्नपत्र तैयार करना।
6. किसी भी हिंदी टॉपिक को पढ़ाने के लिए दो गेम बनाना।

चुनिंदा रीडिंग:


- भाई योगेन्द्रजीत: हिंदी भाषा शिक्षण, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
- जॉयस, बी. और वेइल, एम: टीचिंग के मॉडल। प्रेंटिस हॉल इंक., न्यू जर्सी, 1979।
- Kshatriya, K.: Matra Bhasha Shikshan, Vinod Pustak Mandir, Agra.
- लाल, रमन बिहारी: हिंदी शिक्षण, रस्तोगी पब्लिकेशन्स, मेरठ।
- पाल, एच.आर.: हायर एजुकेशन में टीचिंग और ट्रेनिंग के तरीके। दिल्ली: हिंदी कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2000।
- पाल, एच.आर.: स्पीच कम्युनिकेशन - हिंदी. भोपाल: एम.पी.ग्रंथ अकादमी, 2003.
- Satya, Raghunath: Hindi Shikshan Vidhi, Punjab Kitabghar, Jullundur.
- Sharma, Dr. Laxminarayan: Bhasha 1, 2 Ki Shikshan-Vidhiyan Aur Paath-Niyojan Vinod Pustak Mandir, Agra.
- सिंह, सावित्री: हिंदी शिक्षण, लायल बुक डिपो, मेरठ।
- वेल, एम और जॉयस, बी.: टीचिंग के इन्फॉर्मेशन प्रोसेसिंग मॉडल। प्रेंटिस हॉल इंक., न्यू जर्सी, 1979।

# बी.एड. (2 साल का प्रोग्राम) सेमेस्टर-II

## वैकल्पिक पाठ्यक्रम-IV

## [BEDU-EC-214] स्कूल विषय-I भौतिक विज्ञान का शिक्षण शास्त्र

| एल | टी | पी | सी |
|---|---|---|---|
| 4 | 0 | 0 | 4 |

कोर्स के उद्देश्य:

- फिजिकल साइंस पढ़ाने के मकसद समझाएं और बिहेवियरल शब्दों में सिखाने के मकसद बनाएं।
- किसी भी क्लास के मौजूदा फिजिकल साइंस करिकुलम का क्रिटिकल इवैल्यूएशन।
- फिजिकल साइंस पढ़ाने के अलग-अलग तरीकों के बारे में बताएं।
- फिजिकल साइंस को दूसरे सब्जेक्ट्स और रोज़मर्रा की ज़िंदगी से जोड़ें।
- अलग-अलग तरह के इंस्ट्रक्शनल मीडिया को चुनें और इस्तेमाल करें।
- टेक्स्टबुक्स को इवैल्यूएट करें और अलग-अलग को-करिकुलर एक्टिविटीज़ ऑर्गनाइज़ करें।
- प्रैक्टिकल काम को ऑर्गनाइज़ करें और फिजिकल साइंस के सामान को इम्प्रोवाइज़ करें।
- इवैल्यूएशन का कॉन्सेप्ट समझाएं और क्वेश्चन पेपर का ब्लू प्रिंट बनाएं।
- हर्बार्टियन अप्रोच के अनुसार फिजिकल साइंस में लेसन प्लान।
- टीचिंग के अलग-अलग स्किल्स को ध्यान में रखते हुए माइक्रोटीचिंग के कॉन्सेप्ट को समझाएं।
- साइंस के बेसिक कॉन्सेप्ट समझाएं।

पाठ्यक्रम सामग्री:

यूनिट I भौतिक विज्ञान शिक्षण का सामान्य परिचय (12 व्याख्यान)

- हमारे मॉडर्न जीवन और ग्लोबलाइज़ेशन पर फ़िज़िकल साइंस और टेक्नोलॉजी का असर
- फिजिकल साइंस और दूसरे स्कूल सब्जेक्ट्स और रोज़मर्रा की ज़िंदगी के साथ इसका संबंध।
- ब्लूम की एजुकेशनल ऑब्जेक्टिव्स की टैक्सोनॉमी।
- व्यवहारिक शब्दों में निर्देशात्मक उद्देश्य लिखना
- करिकुलम; मतलब, स्कूल करिकुलम में फिजिकल साइंस की जगह, फिजिकल साइंस करिकुलम बनाने के सिद्धांत।

यूनिट II भौतिक विज्ञान पढ़ाने के तरीके (12 व्याख्यान)

- भौतिक विज्ञान पढ़ाने के तरीके और दृष्टिकोण - व्याख्यान विधि, व्याख्यान सह प्रदर्शन विधि, अनुमानी विधि, परियोजना विधि, समस्या समाधान विधि और आगमनात्मक और निगमनात्मक दृष्टिकोण।
- फिजिकल साइंस टीचर और प्रोफेशनल ग्रोथ।
- साइंटिफिक नज़रिया और साइंटिफिक तरीका। उनके डेवलपमेंट में टीचर का कॉन्सेप्ट और रोल।

यूनिट III भौतिक विज्ञान पढ़ाने में शिक्षण सहायक सामग्री का उपयोग (12 व्याख्यान)

- इंस्ट्रक्शनल मीडिया: सिखाने-सीखने की प्रक्रिया में मीडिया की ज़रूरत और महत्व, क्लासिफिकेशन, चुनना और जोड़ना (चॉक बोर्ड, चार्ट, मॉडल, ओवरहेड प्रोजेक्टर, एजुकेशनल फ़िल्म और कंप्यूटर का इस्तेमाल)।
- फिजिकल साइंसेज टेक्स्ट बुक - महत्व, विशेषताएं, इसका मूल्यांकन प्रक्रिया।

यूनिट IV सामान्य विज्ञान शिक्षण में पाठ योजना (12 व्याख्यान)

- फिजिकल साइंस में लेसन प्लानिंग; ड्राफ्टिंग के स्टेप्स और महत्व
- लेसन प्लानिंग का हर्बर्टियन तरीका।
- फिजिकल साइंस में प्रैक्टिकल काम की ज़रूरत और ऑर्गनाइज़ेशन, साइंस के उपकरणों में सुधार, लेक्चर कम डेमोंस्ट्रेशन, हाई स्कूल के लिए लैबोरेटरी प्लान, लैबोरेटरी के उपकरण और सामान का चुनाव, खरीद और मेंटेनेंस।

यूनिट V भौतिक विज्ञान शिक्षण में मूल्यांकन (12 व्याख्यान)

- फिजिकल साइंस में इवैल्यूएशन; कॉन्सेप्ट, एक अच्छे इवैल्यूएशन टूल की खासियतें
- प्रश्न पत्र का ब्लू प्रिंट तैयार करना।

असाइनमेंट: (नीचे दिए गए में से कोई दो)

1. प्रोजेक्ट रिपोर्ट: 6वीं से 10वीं तक की किसी भी क्लास से जुड़े किसी भी यूनिट पर एक अचीवमेंट टेस्ट तैयार करें और तैयार किए गए अचीवमेंट टेस्ट के असर के बारे में एक रिपोर्ट सबमिट करें।
2. अपनी पसंद के किसी भी टॉपिक (क्लास 6th से 10th) पर कंस्ट्रक्टिविस्ट अप्रोच से जुड़े एक खास तरीके को फॉलो करते हुए एक लेसन प्लान लिखें।
3. अपनी पसंद के किसी भी टॉपिक पर दो टीचिंग एड्स तैयार करें और कंस्ट्रक्टिविस्ट अप्रोच को फॉलो करते हुए, किसी टॉपिक को पढ़ाने के लिए उसका एप्लीकेशन लिखें।
4. विज्ञान की किसी भी पाठ्य पुस्तक (6-10) पर एक विश्लेषणात्मक रिपोर्ट तैयार करें।
5. साइंस के किसी भी टॉपिक को पढ़ाने के लिए कोई दो डेमोंस्ट्रेटिव एक्सपेरिमेंट बनाएं।
6. साइंस पर अपनी पसंद के किसी भी टॉपिक पर ICT बेस्ड या पावर-पॉइंट प्रेजेंटेशन (क्लास VI से X तक)
7. सिलेबस में दिए गए किसी भी टॉपिक पर सेमिनार प्रेजेंटेशन।

चुनिंदा रीडिंग:


- दास, आर. सी. (1989): स्कूलों में विज्ञान शिक्षण, स्टर्लिंग पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
- गर्ग, के.के.; सिंह, रघुवीर और कौर, इंद्रजीत (2007): दसवीं क्लास के लिए साइंस की एक टेक्स्ट बुक, NCERT, नई दिल्ली।
- कोहली, वी. के. (2006): विज्ञान कैसे पढ़ाएं, विवेक पब्लिशर्स, अंबाला।
- मंगल, एस. के. (1997): विज्ञान शिक्षण, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली।
- शर्मा, आर.सी. (1998): आधुनिक विज्ञान शिक्षण, धनपत राय पब्लिशर्स, नई दिल्ली।




बाई

# बी.एड. (2 साल का प्रोग्राम) सेमेस्टर-II

वैकल्पिक पाठ्यक्रम-V

## [BEDU-EC-215] स्कूल विषय-II सामाजिक विज्ञान का शिक्षण शास्त्र

| | | एलटीपीसी | |
|---|---|---|---|
| 4 | 0 | 0 | 4 |

कोर्स के उद्देश्य:

- सोशल साइंस के नेचर, स्ट्रक्चर और स्कोप को समझें।
- देश और सामाजिक पुनर्निर्माण में सोशल साइंस की भूमिका और महत्व को समझना।
- देश और समाज के विकास के संदर्भ में अलग-अलग क्षेत्रों, इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र, अर्थशास्त्र और समाजशास्त्र के बीच आपसी संबंधों की समझ विकसित करना।
- स्कूल लेवल पर सोशल साइंस पढ़ाने के लिए अलग-अलग स्ट्रेटेजी का इस्तेमाल करके समझ और स्किल डेवलप करें।
- को-ऑपरेटिव लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए अलग-अलग स्ट्रेटेजी और स्टूडेंट्स को अलग-अलग ग्रुप एक्टिविटीज़ में शामिल करने की ज़रूरत की समझ डेवलप करें।
- इवैल्यूएशन के अलग-अलग तरीकों के कॉन्सेप्ट और प्रैक्टिस की समझ डेवलप करना और सोशल साइंस पढ़ाने में अलग-अलग इवैल्यूएशन टूल्स को तैयार करने और इस्तेमाल करने की स्किल्स डेवलप करना।
- सोशल साइंस पढ़ाने में लोकल माहौल, कम्युनिटी रिसोर्स और दूसरी इंस्ट्रक्शनल जानकारी का इस्तेमाल करने की स्किल डेवलप करें।

पाठ्यक्रम सामग्री:

इकाई I सामाजिक विज्ञान का सामान्य परिचय (12 व्याख्यान)

- सामाजिक विज्ञान और सामाजिक अध्ययन की अवधारणाओं के उद्देश्य, प्रयोजन और क्षेत्र अर्थ और प्रकृति
- सोशल साइंस के अलग-अलग सब्जेक्ट्स का इंटीग्रेशन: हिस्ट्री, सिविक्स, इकोनॉमिक्स, जियोग्राफी और सोशियोलॉजी
- स्कूल लेवल पर सोशल साइंस, एलिमेंट्री और सेकेंडरी स्कूल लेवल पर सोशल साइंस पढ़ाने के मकसद और उद्देश्य; लिखने के निर्देश के मकसद: अलग-अलग तरीके।

सामाजिक विज्ञान में इकाई II पाठ्यक्रम (12 व्याख्यान)

- करिकुलम का सामान्य तरीका और करिकुलम बनाने के बुनियादी सिद्धांत, सोशल साइंस करिकुलम बनाने में उनकी उपयोगिता

प्रतिबंध

- मध्य प्रदेश और दूसरे राज्यों में हाल के करिकुलम डेवलपमेंट की स्टडी, जिसमें मध्य प्रदेश के संदर्भ में नेशनल करिकुलम, कोर्स का ग्रेडेशन और ऑर्गनाइज़ेशन शामिल है।

(12 व्याख्यान)

इकाई III सामाजिक विज्ञान शिक्षण के तरीके

- व्यवहारिक शब्दों में निर्देशात्मक उद्देश्य लिखना
- तरीके और तकनीकें तरीके: व्याख्यान विधि, वार्तालाप विधि, चर्चा विधि, समस्या समाधान विधि, प्रोजेक्ट विधि, स्रोत विधि, क्षेत्र का दौरा, भूमिका निभाना, इकाई योजना विधि तकनीकें: प्रश्न पूछने, कहानी सुनाने, अनुकरण आदि का कौशल।

यूनिट IV सामाजिक विज्ञान शिक्षण में पाठ योजना (12 व्याख्यान)

- लेसन प्लानिंग, यूनिट प्लान। लेसन प्लान: स्टेप्स, और लेसन प्लान के कंपोनेंट्स।
- एड्स: सोशल साइंस पढ़ाने में ऑडियो और वीडियो मटीरियल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का इस्तेमाल, कम लागत वाली टीचिंग की तैयारी

सामाजिक विज्ञान में इकाई V का मूल्यांकन (12 व्याख्यान)

- मूल्यांकन माप, आकलन और मूल्यांकन के बीच अंतर
- अच्छे मेजरमेंट, डायग्नोस्टिक टेस्ट और रेमेडियल टीचिंग की विशेषताएं
- क्राइटेरियन रेफरेंस्ड टेस्टिंग और नॉर्म रेफरेंस्ड टेस्टिंग, अलग-अलग तरह के आइटम,
- एकाधिक विभेदक प्रकार आइटम
- सामाजिक विज्ञान में उपलब्धि परीक्षण का विकास और मानकीकरण।

असाइनमेंट: (नीचे दिए गए में से कोई दो)

1. पाठ्यक्रम का विश्लेषण: एक महत्वपूर्ण अध्ययन।
2. किसी संबंधित टेक्स्टबुक का एनालिसिस।
3. संबंधित प्रश्न पत्र का विश्लेषण।
4. दसवीं क्लास के लिए ऑब्जेक्टिव टाइप टेस्ट की तैयारी।
5. कम लागत वाली टीचिंग एड्स तैयार करना।
6. सोशल साइंस के किसी एक टॉपिक पर सेल्फ-इंस्ट्रक्शनल मटीरियल बनाना।

चुनिंदा रीडिंग:


- बिनिंग और बिनिंग: सेकेंडरी स्कूलों में सोशल स्टडीज़ की टीचिंग। न्यूयॉर्क: मैकग्रा हिल बुक कंपनी, 1972।
- देसिया, डी. एम. और मेहता, टी. एस.: सामाजिक अध्ययन में मूल्यांकन - शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार।
- डेसिया, डी. एन.: सोशल स्टडीज की हालिया अवधारणा, वोरा एंड कंपनी.
- हेलर, एफ.: सोशल साइंसेज का उपयोग और दुरुपयोग. लंदन: सेज पब्लिकेशन्स, 1986.


स्व-परीक्षा